(ग) क्या जब तक कोसी नदी पर पुल का निर्माण नहीं होता, तब तक अनुकूल मौसम में इस रेल लाइन को चालू करने की योजना है ?

रेल मंत्री (श्री टी० ए० पाई) : (क) से (ग) . हाल ही में पूरे हुए इंजनियरिंग, व्यावहारिकता एवं यातायात मूल्यांकन की रिपोर्ट के अनुसार, 42.26 किलोमीटर लम्बी, मीटर आमान की इस रेलवे लाईन पर 2.79 करोड़ रुपए की लागत का अनुमान है। रेलवे बोर्ड में रिपोर्ट की जांच पड़ताल पूरी हो जाने पर ही अन्तिम निर्णय किया जायेगा।

सरायगढ़ से राधोपुर तक नई रेलवे लाइन बिछाने के लिए सर्वेक्षण

1111. **श्री चिरंजीव झा** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या दो वर्ष पूर्व रेलवे विभाग ने सरायगढ़ से राधोपुर तक रेलवे लाइन के पुर्ननिर्माण के लिए कोई सर्वेक्षण किया था ; और

(ख) यदि हां, तो सर्वेक्षण दल द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन का सारांश क्या है और सरायगढ़ से राधो पुर तक की पुरानी रेलवे लाइन को पुन : कब तक चालू किया जायेगा ?

रेल मंत्री (श्री टी० ए० पाई) : (क) और (ख). राधोपुर के रास्ते सरायगढ़ और फारबिसगंज के बीच त्याग दी गयी पुरानी लाइनों को पुन: चालू करने के लिए नवम्बर, 1970 और अप्रैल, 1971 के बीच एक द्रुत अध्ययन किया गया था। रिपोर्ट से पता चला कि लाइन 56 किलोमीटर लम्बी होगी और इस पर 2.94 करोड़ रुपये लागत आयेगी। यह देखा गया कि यह प्रस्ताव बहुत ही अलाभप्रद रहेगा। फिर भी, इस लाइन की पुन : स्थापना के लिए अप्रैल, 1972 में यातायात सर्वेक्षण के परिणाम मालूम हो जाने के पश्चात् इसके बारे में आगे और विचार किया जायेगा।

Wagons for Transportation of Salt from Rajasthan

1112. SHRI PURUSHOTTAM KAKODKAR:

SHRI P. M. MEHTA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether six lakh quintals of salt is lying piled up at Didwana and four and a half lakh quintals at Pachpadra in Barmer District in Rajasthan State awaiting transporation by rail; and

(b) if so, the reasons therefor and the steps taken by Railway to transport the salt?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI T. A. PAI): (a) and (b). Although some indents for salt loading are pending, the exact quantum of salt lying at Didwana and Pachpadra is not known to this Ministry. During the period 1st April to 10th November, 1972, 1471 wagons at Marwar Ballia/Didwana and 1664 wagons at Pachpadra were loaded with salt. During the same period, indents for 1191 wagons at Marwar Ballia|Didwana and 943 at Pachpadra were withdrawn, thus indicating that the pending indents are not all genuine.